भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
07.02.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 799 का उत्तर

कर्नाटक में लंबित रेल परियोजनाएं

799. श्री प्रज्ज्वल रेवन्ना:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का कर्नाटक राज्य में किसी लंबित/अधूरी रेल परियोजना/रेलवे लाइनों को शुरू करने और पूरा करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) ऐसी परियोजनाओं के लिए स्वीकृत और उपयोग की गई निधि का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार का कर्नाटक राज्य में कोई नई वंदे भारत रेलगाड़ी शुरू करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) क्या सरकार का बेंगलुरु/मैंगलोर रेलगाड़ी को हासन जिले के अलूर स्टेशन पर सीधे रेलगाड़ी ठहराव और वंदे भारत रेलगाड़ी के संबंध में अर्सिकेरे जंक्शन पर रेलगाड़ी ठहराव शुरू करने का विचार है और यदि हां, तो इसे कब तक किये जाने की संभावना है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

s.k

कर्नाटक में लंबित रेल परियोजनाओं के संबंध में दिनांक 07.02.2024 को लोक सभा में श्री प्रज्ज्वल रेवन्ना के अतारांकित प्रश्न सं. 799 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): रेल परियोजनाओं को क्षेत्रीय रेल-वार स्वीकृत और शुरू किया जाता है, न कि राज्य-वार, क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। बहरहाल, दिनांक 01.04.2023 की स्थिति के अनुसार, कर्नाटक राज्य में पूर्णत:/अंशत: स्थित ₹47,346 करोड़ की लागत पर कुल 3,866 किलोमीटर लंबाई की 31 परियोजनाएं (21 नई लाइन और 10 दोहरीकरण) योजना बनाने/अनुमोदन/निर्माण के चरण में हैं। इनमें शामिल हैं:-

- **₹33,218 करोड़ की लागत पर कुल 2,583 किलोमीटर लंबाई की 21 नई लाइन परियोजनाएं जिसमें से 366 किलोमीटर लंबाई को चालू किया जा चुका है।**

- **₹14,128 करोड़ की लागत पर कुल 1,283 किलोमीटर लंबाई की 10 दोहरीकरण परियोजनाएं, जिसमें से 780 किलोमीटर लंबाई को चालू किया जा चुका है।**

कर्नाटक राज्य में पूर्णत:/अंशत: स्थित रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के दक्षिण पश्चिम रेलवे, मध्य रेलवे, दक्षिण रेलवे और दक्षिण मध्य रेलवे क्षेत्रों के अंतर्गत आती हैं।

2014 से, कर्नाटक राज्य में निधि आवंटन और तद्नुरूप परियोजनाओं को चालू करने में काफी वृद्धि हुई है।

अवधि	औसत परिव्यय	2009-14 के औसत आबंटन की तुलना में वृद्धि
2009-14	₹ 835 करोड़/वर्ष	-
2023-24	₹7,561 करोड़	9 गुना

s.k

रेलवे द्वारा आवंटित निधि का इष्टतम उपयोग करने के लिए समस्त प्रयास किए जाते हैं। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कर्नाटक राज्य में पूर्णत:/अंशत: स्थित अवसंरचना परियोजनाओं हेतु ₹7,561 करोड़ का आबंटन किया गया है।

कर्नाटक राज्य में पूर्णत:/अंशत: स्थित अवसंरचना परियोजनाओं को चालू करने की स्थिति इस प्रकार है:-

अवधि	चालू किया गया कुल रेलपथ
2009-14	565 किलोमीटर
2014-23	1,566 किलोमीटर

पिछले 9 वर्षों के दौरान बेंगलूरु को मुंबई और हैदराबाद से जोड़ने वाली समूची इकहरी लाइन को स्वीकृत किया गया है और इसे दोहरी लाइन में बदल दिया गया है। इस समयावधि में मिरज - लोंडा (186 किलोमीटर), हुब्बलि - चिक्कजाजुरु (190 किलोमीटर), अरसीकेरे - तुमकूर (96 किलोमीटर) और येलहंका - पेनुकोंडा (120 किलोमीटर) को स्वीकृत किया गया और पूरा किया गया है।

किसी भी रेल परियोजना का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा त्वरित भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा वानिकी स्वीकृतियां, अतिलंघकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भूविज्ञानी और स्थलाकृतिक परिस्थिति, परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों के कारण परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजना को पूरा करने के समय को प्रभावित करते हैं। उपरोक्त बाधाओं के बावजूद, परियोजना (परियोजनाओं) का शीघ्रोशीघ्र निष्पादन करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

s.k

(ग) और (घ): इस समय भारतीय रेल के बड़ी लाइन विद्युतीकृत नेटवर्क पर 82 वंदे भारत रेलगाड़ी सेवाएं चल रही हैं। इनमें कर्नाटक राज्य में स्थित रेलवे स्टेशनों को प्रारंभ/पर्यंत आधार पर सेवा प्रदान करने वाली 8 वंदे भारत एक्सप्रेस शामिल हैं। इसके अलावा, भारतीय रेल में मौजूदा रेलगाड़ी सेवाओं के ठहराव देना और नई वंदे भारत सेवाओं की शुरूआत यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन सतत प्रक्रियाएं हैं।

*****

s.k